प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

जनजातीय महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

पंतनगर। 21 फरवरी 2026। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में कृषि महाविद्यालय के कृषि संचार विभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से वित्तपोषित जनजातीय उप योजना के अंतर्गत 20–21 फरवरी, 2026 को 'मिलेट्स, सब्जी उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन के माध्यम से जनजातीय महिलाओं का सशक्तिकरण' विषय पर दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकासखंड खटीमा के ग्राम नवगाँवठग्गू की अनुसूचित जनजाति की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय महिलाओं को मिलेट्स एवं सब्जी उत्पादन की उन्नत तकनीकों, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन तथा विपणन संबंधी ज्ञान से सशक्त बनाना था, ताकि वे स्वरोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेन्द्र क्वात्रा रहे। इस अवसर पर निदेशक संचार डा. जे. पी. जायसवाल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए.एस. जीना, समेटी के प्रभारी डा. बी.डी. सिंह, प्रोफेसर डा. निर्मला भट्ट, डा. ललित भट्ट, वी.आर.सी. के निदेशक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन जनजातीय उप योजना की प्रधान अन्वेषक डा. अर्पिता शर्मा कांडपाल के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने कहा कि मिलेट्स एवं सब्जी आधारित मूल्य संवर्धन गतिविधियाँ जनजातीय महिलाओं के लिए आय वृद्धि का प्रभावी माध्यम बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग कर महिलाएँ छोटे–छोटे उद्यम स्थापित कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकती हैं। निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल ने कहा कि ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं प्रभावी विपणन रणनीति अपनाकर जनजातीय महिलाएँ अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुँचा सकती हैं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण उत्पाद, आकर्षक पैकेजिंग और सही मूल्य निर्धारण सफलता की कुंजी है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए.एस. जीना ने कहा कि मिलेट्स एवं सब्जियाँ पोषण सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनके प्रसंस्करण से आय के साथ–साथ परिवार के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। उन्होंने कहा कि संतुलित आहार एवं पोषण जागरूकता से समाज का समग्र विकास संभव है। समेटी के प्रभारी डा. बी.डी. सिंह ने कहा कि उन्नत उत्पादन तकनीकों को अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक पद्धतियों के उपयोग से खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है। प्रोफेसर डा. निर्मला भट्ट ने कहा कि समूह आधारित उद्यम स्थापना से महिलाएँ सामूहिक शक्ति का लाभ उठाकर बड़े स्तर पर कार्य कर सकती हैं। डा. ललित भट्ट ने कहा कि कम लागत वाली मूल्य संवर्धन तकनीकों को अपनाकर घरेलू स्तर पर भी लाभकारी उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय बाजार की माँग को ध्यान में रखकर उत्पाद तैयार करना आवश्यक है। प्रधान अन्वेषक डा. अर्पिता शर्मा कांडपाल ने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जनजातीय महिलाओं के ज्ञान, कौशल एवं आत्मविश्वास में वृद्धि करना है। उन्होंने कहा कि जनजातीय उप योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं आवश्यक इनपुट प्रदान कर उन्हें सतत आजीविका की दिशा में अग्रसर किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा मिलेट्स आधारित विभिन्न उत्पादों के निर्माण, उन्नत सब्जी उत्पादन तकनीक, फसलोत्तर प्रबंधन, भंडारण विधियों तथा कम लागत में मूल्य संवर्धन की व्यावहारिक जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को समूह आधारित उद्यम स्थापना, उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने तथा बाजार से जुड़ाव की रणनीतियों के बारे में भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। समापन सत्र में प्रतिभागी महिलाओं ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से उन्हें स्वरोजगार के नए अवसरों की जानकारी मिली है तथा आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। जनजातीय उप योजना के अंतर्गत प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री एवं आवश्यक कृषि आदान वितरित किए गए, जिससे वे अपने ग्राम स्तर पर मिलेट्स एवं सब्जी आधारित मूल्य संवर्धित उद्यम प्रारंभ कर सकें। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनजातीय महिलाओं के ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास में वृद्धि करने के साथ–साथ उन्हें सतत आजीविका एवं सामाजिक–आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में अग्रसर करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
द्वारा वित्त पोषित
जनजाति उप-योजना के अंतर्गत
पारंपरिक कृषि, दुग्ध एवं वन संसाधनों पर आधारित तकनीकी नवाचारों के माध्यम से
उत्तराखण्ड की जनजातीय महिलाओं में सतत उद्यमिता एवं आर्थिक सशक्तिकरण
प्रशिक्षण कार्यक्रम
आयोजक:
एवं

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
द्वारा वित्त पोषित
जनजाति उप-योजना के अंतर्गत
पारंपरिक कृषि, दुग्ध एवं वन संसाधनों पर आधारित तकनीकी नवाचारों के माध्यम से
उत्तराखण्ड की जनजातीय महिलाओं में सतत उद्यमिता एवं आर्थिक सशक्तिकरण
प्रशिक्षण कार्यक्रम
आयोजक:
कृषि विज्ञान केन्द्र, काशीपुर
एवं
कृषि संचार विभाग